७. आवास से लेकर गाँव - बस्ती तक

७.१ आवास

७.२ अस्थायी आवास

७.३ गाँव - बस्ती

७.१ आवास

हमने पाँचवें पाठ में देखा कि शक्तिमानव मुख्य रूप से गुफाओं में रहता था । उस समय यूरोप में अति शीत जलवायु हुआ करती थी । शक्तिमान मानव ने अलाव जलाकर और चमड़े के वस्त्र का उपयोग कर इस शीत से अपनी रक्षा की किंतु इतना करना उसके लिए पर्याप्त नहीं था । अतः उसने गुफा के भीतरी हिस्से पर प्राणियों के चमड़े लगाकर गर्म तंबू खड़े किए । जहाँ आवश्यकता थी; वहाँ उसने खुले स्थानों पर भी झोंपड़ियाँ बनाईं ।

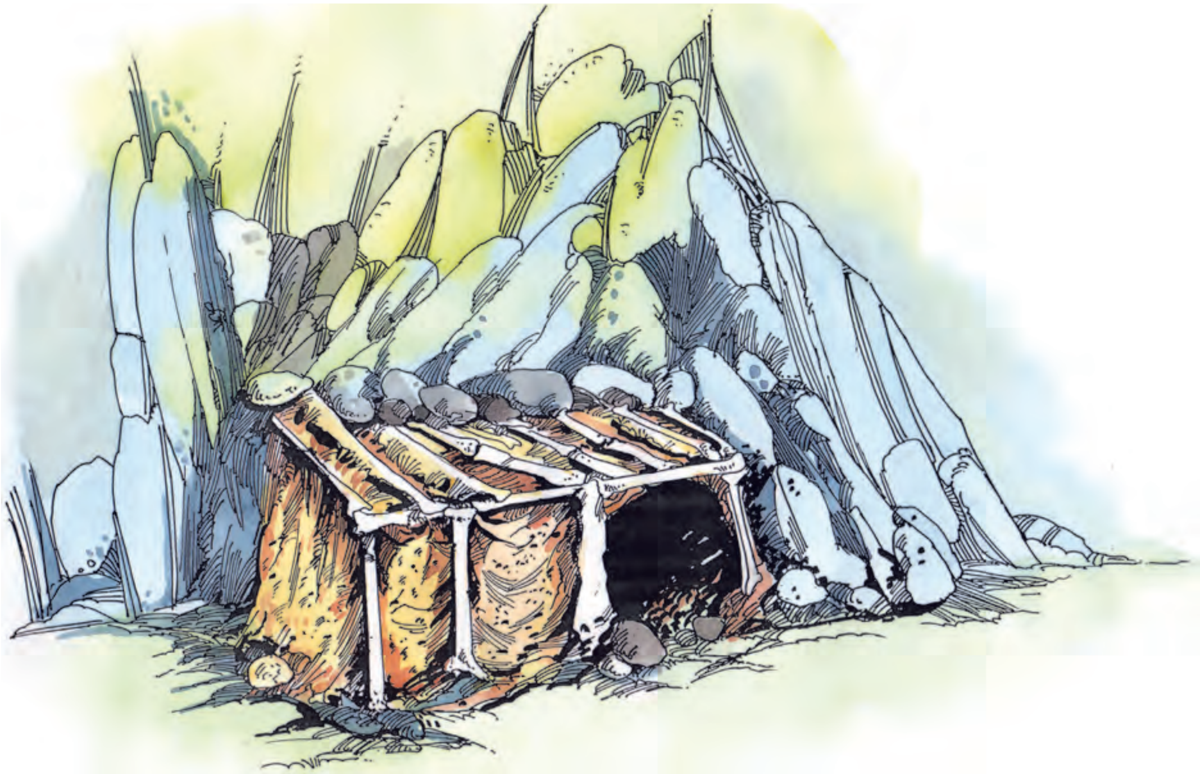

फ्रांस में एक गुफा के भीतर शक्तिमानव द्‌वारा निर्मित दो कमरोंवाला एक गर्म तंबू

७.२ अस्थायी आवास

मध्याश्मयुगीन कालखंड में बुद्‌धिमान मानव के समूहों ने संपूर्ण विश्व में बस्ती बनाई थी । मध्याश्म युग में जलवायु गर्म होने लगी थी । संपूर्ण पर्यावरण में परिवर्तन हो रहे थे । अतः मध्याश्म युग में बुद्‌धिमान मानव की भोजन पद्‌धति में भी बदलाव हो रहा था ।

बड़ी मात्रा में हुए शिकार और पर्यावरण में हुए परिवर्तन के कारण मध्याश्म युग तक मैमोथ जैसे विशालकाय प्राणी नष्ट होने लगे थे । अतः शिकार करने के साथ-साथ बुद्‌धिमान मानव बड़ी मात्रा में मछली पकड़ने का कार्य करने लगा था । अब वह जंगली सूअर, हिरन, पहाड़ी भेड़-बकरी जैसे छोटे प्राणियों का अधिक मात्रा में शिकार करने लगा था ।

मैमोथ हाथी हाथियों का पूर्वज है परंतु हाथियों की तुलना में वह आकार में अति विशालकाय प्राणी था ।

मैमोथ

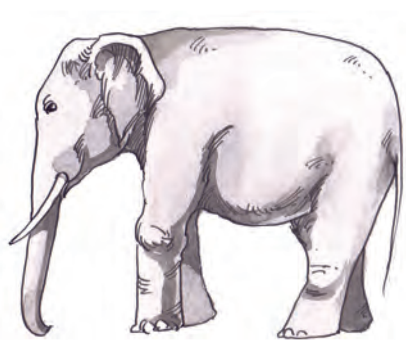

हाथी

बदली हुई भोजन पद्धति के कारण बुद्धिमान मानव के समूह दूर के प्रदेशों तक घुमक्कड़ी कर सकते थे । परिवर्तित होती जलवायु के अनुसार वे विभिन्न स्थानों पर अस्थायी आवास बनाकर रह सकते थे । संबंधित स्थान की जलवायु के अनुसार अनाज की कटाई करना, फल-कंदमूल इकट्ठे करना जैसे कार्य करते थे । मछलियाँ किस मौसम में बड़ी मात्रा में मिलेंगी; यह ज्ञात कर उसका लाभ प्राप्त कर रहे थे । शिकार बड़ी मात्रा में कहाँ मिलेंगे; इसका निरीक्षण कर रहे थे । इन सभी कारणों से वे एक स्थान पर दीर्घ समय तक रहते थे । जंगल में पेड़ों की कटाई करके खुले स्थान पर वे अपने आवासों के अस्थायी पड़ाव डालते थे ।

मध्याश्मयुगीन अस्थायी आवासों का काल्पनिक चित्र

नवाश्मयुगीन गाँव–बस्ती का काल्पनिक चित्र

७.३ गाँव–बस्ती

नवाश्म युग के मानव की जीवन पद्धति पुराश्मयुगीन और मध्याश्मयुगीन जीवन पद्धतियों की तुलना में पूर्णतः भिन्न थी । इस कालखंड में मनुष्य अनाज का उत्पादक बना । खेती का प्रारंभ होना; यह नवाश्मयुगीन संस्कृति की विशेषता है । शिकार करने और फल–कंदमूल इकट्ठे करने के लिए निरंतर घूमना पड़ता है परंतु अब दीर्घकाल तक पूरा पड़ेगा; इतने अनाज का प्रबंध करना खेती के कारण संभव हुआ । अतः इस कालखंड में निरंतर शिकार करने की आवश्यकता नहीं रह गई थी । परिणामस्वरूप निरंतर घूमने की भी आवश्यकता नहीं रह गई । साथ ही खेती के कामों का स्वरूप कुछ ऐसा था कि इस कालखंड के मानव के लिए एक स्थान पर रहना आवश्यक हो गया । अतः स्थायी रूप से गाँव – बस्ती बनाकर मनुष्यों की कई पीढ़ियाँ एक स्थान पर स्थिर हो गईं । नवाश्मयुगीन गाँव–बस्तियों की सामाजिक संरचना और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को हम अगले पाठ में समझेंगे ।

स्वाध्याय

१. एक–एक वाक्य में उत्तर लिखो :

(अ) बुद्धिमान मानव किन प्राणियों का शिकार अधिक मात्रा में करता था ?

(आ) नवाश्मयुगीन संस्कृति की क्या विशेषता है ?

२. निम्न कथनों के कारण लिखो :

(अ) मध्याश्म युग में बुद्धिमान मानव की भोजन पद्धति में बदलाव हो रहा था ।

(आ) मनुष्य एक स्थान पर दीर्घ समय तक रहने लगा ।

३. मध्याश्म युग के अस्थायी आवासों के काल्पनिक चित्र का निरीक्षण करो और निम्न प्रश्नों के उत्तर दो ।

(अ) चित्र में दिखाई देने वाले आवासों की संरचना कैसी है ?

(आ) इन आवासों को बनाने के लिए किस सामग्री का उपयोग किया गया दिखाई देता है ?

(इ) अस्थायी आवास के मनुष्य कौन-से व्यवसाय करते होंगे ?

४. विभिन्न ऋतुओं में होने वाले जलवायु परिवर्तन का जीवन पर किस प्रकार प्रभाव पड़ता है; वह लिखो ।

५. नवाश्मयुगीन देहातों और आधुनिक देहातों के बीच तुलना करो ।

कार्य :

विविध प्रकार के आवासों की प्रतिकृतियाँ बनाओ ।

उपक्रम :

(अ) किसान खेती करते समय विविध प्रकार के कार्य करता है । खेतों में प्रत्यक्ष जाकर उन कार्यों की जानकारी प्राप्त करो ।

(आ) अपने परिसर के विभिन्न प्रकार के पाँच आवासों में जाओ और उन आवासों के निर्माण के लिए किस सामग्री का उपयोग किया गया है; इसकी जानकारी प्राप्त करो ।

(इ) अध्यापकों की सहायता से भूगोलक अथवा मानचित्र में दर्शाए गए महाद्वीपों का निरीक्षण करो तथा उस निरीक्षण का अपनी कॉपी में अंकन करो ।

क्या तुम यह जानते हो ?

पृथ्वी पर हिम युग और अंतरहिम युग ये दो कालखंड क्रमशः एक के बाद दूसरा आते हैं । हिम युग में पृथ्वी का अधिकांश पृष्ठभाग हिम से आच्छादित रहता है । जलवायु अतिशीत और शुष्क रहती है । समुद्र का जलस्तर बहुत नीचे जाता है क्योंकि जल का बहुत बड़ा हिस्सा बर्फ में रूपांतरित हो चुका होता है । दो हिम युगों के बीच के कालखंड को अंतरहिम युग कहते हैं । अंतरहिम युग में पृथ्वी के पृष्ठभाग की बर्फ बड़ी मात्रा में पिघल जाती है । इससे समुद्र का जलस्तर बढ़ जाता है । जलवायु हिम युग की जलवायु की अपेक्षा गर्म और आर्द्र रहती है । जिस कालखंड में पृथ्वी के कुछ प्रदेशों में हिम युग था; उसी कालखंड में एशिया और महाद्वीपों के प्रदेशों में बड़ी मात्रा में वर्षा हो रही थी । इसी भाँति अन्यत्र जब अंतरहिम युग व्याप्त था तब एशिया और अफ्रीका महाद्वीपों के कुछ प्रदेशों में वर्षा की मात्रा कम हो गई थी ।

कुशल मानव के कालखंड में अर्थात लगभग २५ लाख वर्ष पूर्व जलवायु अतिशीत और शुष्क होने लगी थी । वर्तमान समय से पीछे जाने पर अर्थात अठारह लाख वर्ष से ग्यारह हजार वर्ष के बीच की कालावधि में हिम युग और अंतरहिम युग के चार प्रमुख चरण हो चुके हैं । पुराश्म युग और मध्याश्म युग के बीच का मानवीय संस्कृति का इतिहास इसी कालावधि में घटित हुआ । लगभग ग्यारह हजार वर्ष पूर्व अंतिम चरण में हिम युग समाप्त होकर अंतरहिम युग का प्रारंभ हुआ । जलवायु गर्म और आर्द्र होने लगी । खेती और नवाश्म युग का प्रारंभ भी इसी अवधि में हुआ ।

❑❑❑

6HTG09